प्रश्न पुस्तिका क्रमांक / Question Booklet Serial No. : 105- 0261687

SECONDARY SENT-UP EXAMINATION – 2024
माध्यमिक उत्प्रेषण परीक्षा – 2024

विषय कोड : Subject Code : **105**

प्रश्न पुस्तिका सेट कोड
Question Booklet Set Code
A

SANSKRIT (SIL)
संस्कृत (SIL)

कुल प्रश्न : 100 + 5 = 105
Total Questions : 100 + 5 = 105
(समय : 3 घंटे 15 मिनट)
[Time : 3 Hours 15 Minutes]

कुल मुद्रित पृष्ठ : 24
Total Printed Pages : 24
(पूर्णांक : 100)
[Full Marks : 100]

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

1. *परीक्षार्थी OMR उत्तर-पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।*
2. *परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।*
3. *दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्ष्टि करते हैं।*
4. *प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।*
5. *यह प्रश्न पुस्तिका दो खण्डों में है — <u>खण्ड-अ</u> एवं <u>खण्ड-ब</u>।*
6. ***खण्ड-अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न** हैं, जिनमें से **किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।** पचास से अधिक प्रश्नों के उत्तर देनेपर प्रथम 50 उत्तरों का ही मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **1 अंक** निर्धारित है। सही उत्तर को उपलब्ध कराये गये **OMR** उत्तर पत्रक में दिये गये सही विकल्प को **नीले / काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/ तरल पदार्थ/ ब्लेड / नाखून आदि का OMR उत्तर-पुस्तिका में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।***
7. ***खण्ड - ब में 6 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं ।***
8. *किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है ।*

खण्ड-ब (विषयनिष्ठ प्रश्न)

1. (अ) (i) **एक पदेन उत्तरत—** (क) विज्ञानस्य (ख) इन्टरनेटमाध्यमेन

(ii) **पूर्णवाक्येन उत्तरत—**

(क) दूरभाषवायुयानादिभिः दूरस्थस्य संसारः समीपम् आयाति।

(ख) सङ्गणकेन सम्प्रेषितः संदेशः क्षणेनैव सप्तसमुद्रस्य पारं याति।

(iii) **शीर्षक** : विज्ञानस्य चमत्कारः

अथवा,

(i) **एक पदेन उत्तरत—** (क) चन्द्रशेखरआजादस्य (ख) चन्द्रशेखरेण

(ii) **पूर्णवाक्येन उत्तरत—**

(क) आजादः अन्यैः सहयोगिभिः सह काकोरी नामके स्थाने राजकीयकोषम् अपहृतवान्।

(ख) 'सैण्डर्स' नामकः आङ्ग्ल क्रान्तिकारिभिः निहितः।

(iii) **शीर्षक** : महावीर चन्द्रशेखरः

(व) (i) **एक पदेन उत्तरत—**(क) भारतदेशे (ख) हिन्दमहासागरः

(ii) **पूर्णवाक्येन उत्तरत—**

(क) भारतस्य आदर्शवाक्यं 'सत्यमेव जयते' अस्ति।

(ख) भारते गङ्गा, यमुना, नर्मदादयः नद्यः प्रवहन्ति।।

अथवा,

(i) **एक पदेन उत्तरत—** (क) कालिदासः (ख) काल्याः

(ii) **पूर्णवाक्येन उत्तरत—**

(क) "यः मां विद्यया पराजेष्यति सः मम पतिः भविष्यति" इति विद्योत्तमायाः घोषणा आसीत्।

(ख) विद्योत्तमा मूर्खजनं (कालिदासं) निष्कासितवती।

लघुउत्तरीय प्रश्नाः (16 अङ्काः)

5. निम्नलिखित में किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दें— $2 \times 8 = 16$

(क) पटना के मुख्य दर्शनीय स्थलों का नामोल्लेख करें।

(ख) स्वामी दयानंद ने समाज के उद्धार के लिए क्या किया?

(ग) 'मङ्गलम्' पाठ की विशेषताओं का वर्णन करें।

(घ) शैक्षिक संस्कार कितने हैं? उनके नाम लिखें।

(ङ) नरक के कितने द्वार होते हैं? उनके नाम लिखें।

(च) स्वामी दयानंद सरस्वती ने किस समाज की स्थापना की भी एवं स्थापना वर्ष लिखें।

(छ) वेदाङ्गों की संख्या एवं उनके नाम लिखें।

(ज) देवव्रत कौन था तथा उन्होंने क्या प्रतिज्ञा की?

(झ) व्याघ्रपथिक कथा से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

(ञ) रामप्रवेशराम किस गाँव का रहनेवाला था तथा उसने किस परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया था?

(ट) भीष्मप्रतिज्ञा के आधार पर धीवर के चरित्र का वर्णन करें।

(ठ) धार्मिक व्यक्ति ने वृद्ध बाघ को क्या उपदेश दिया था?

(ड) 'मंदाकिनीवर्णनम्' से हमें क्या संदेश मिलता है?

(ढ) अलसकथा पाठ के आधार पर आलसियों की कितनी संख्याएँ थीं?

(ण) 'अलस कथा' पाठ का सन्देश क्या है?

(त) धर्म और विद्या की रक्षा कैसे होती है?

अनुच्छेद लेखनम् (07 अङ्काः)

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में सात वाक्यों का अनुच्छेद लिखें— 7

(क) वृक्षारोपणम्

(ख) प्रिय कवि

(ग) दुर्गापूजा

(घ) सत्सङ्गति

(ङ) छात्रजीवनम्

4. निम्नलिखित में से किन्हीं छः वाक्यों का अनुवाद संस्कृत में करें। $1 \times 6 = 6$

(क) चाणक्य अर्थशास्त्र के विद्वान थे।

(ख) वे पटना में रहते थे।

(ग) मेरे पिता संस्कृत के विद्वान् थे।

(घ) मैं भी संस्कृत का विद्वान् बनूँगा।

(ङ) हमलोगों को संस्कृत प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए।

(च) प्रयाग भारत का एक प्रमुख तीर्थस्थान है।

(छ) तीन लड़के सड़क पर दौड़ते हैं।

(ज) गरीबों की भलाई करो।

(झ) किरण के साथ मैं भी संस्कृत संभाषण शिविर में जाऊँगा।

(ञ) वहाँ मत जाओ।

(ट) भारत में अनेक महापुरुष हुए।

(ठ) बिहार के लोग शांतिप्रिय होते हैं।

अथवा,

संस्कृतसाहित्ये महाकविः कालिदासः सर्वेषु कविषु श्रेष्ठोऽस्ति। कालिदासस्य विषये एका प्रसिद्धा किंवदन्ती अस्ति। विद्योत्तमानाम्नी एका विदुषी राजकन्यासीत्। "यः मां विद्यया पराजेष्यति सः मम पतिः भविष्यति।" इति तस्याः घोषणासीत्। अनेके विद्वांसः तया सह शास्त्रार्थं कृतवन्तः परन्तु ते सर्वे पराजिताः। एतेन पराजयेन कुपिताः ते कपटेन एकेन मूर्खजनेन सह विद्योत्तमायाः विवाहं कारितवन्तः। एकदा रात्रौ उष्ट्रस्य ध्वनिं श्रुत्वा "उट्रः उट्रः" इत्येव सः मूर्खजनः कथितवान्। तस्य अनेन अशुद्ध उच्चारणेन विद्योत्तमा ज्ञातवती यत् एकेन मूर्खेणैव सह तस्याः विवाहः अभवत् न तु पण्डितेन। अनेन खिन्ना सा तं तिरस्कृत्य गृहात् निष्कासितवती। पत्न्याः एतेन व्यवहारेण भृशं दुःखितः असौ जनः देवीं महाकालीम् आराधितवान्। देव्याः प्रसादेन एषः अनुपमं पाण्डित्यं कवित्वं च लब्धवान्। ततः अयं 'कालिदासः' इति प्रसिद्धऽभवत्।

(i) **एकपदेन उत्तरत—** $1 \times 4 = 4$

(क) कः कविषु श्रेष्ठोऽस्ति?

(ख) कस्याः प्रसादेन कालिदासः विद्वान् अभवत्?

(ii) **पूर्णवाक्येन उत्तरत—** 2

(क) विद्योत्तमायाः घोषणा किम् आसीत्?

(ख) विद्योत्तमा कं निष्कासितवती?

संस्कृते पत्रलेखनम् (08 अङ्काः)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें— $4 \times 2 = 8$

(i) अपने मित्रों के साथ मनाये गये एक वनभोज का वर्णन करते हुए अपने बड़े भाई को पत्र लिखें।

(ii) अपने साथियों के साथ विद्यालय परिसर में सफाई कार्यक्रम चलाने हेतु अनुमति प्रदान करने के लिए प्रधानाध्यापक को एक आवेदन पत्र लिखें।

(iii) अपनी बहन की शादी में सम्मिलित होने के लिए मित्र को एक पत्र लिखें।

(iv) विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र हेतु प्रधानाध्यापक के पास एक आवेदन-पत्र लिखें।

(iii) अस्य गद्यांशस्य उपयुक्तं शीर्षकम् लिखत। 1

(ब) वयं यस्मिन् देशे निवसामः तस्य नाम भारतोऽस्ति। अस्य उत्तरदिशायां पर्वत राजः हिमालयः मुकुटमणिः इवास्ति। दक्षिणदिशायां हिन्दमहासागरः भारतस्य चरणौ प्रक्षालयति। पूर्वदिशायां बङ्गोपसागरः पश्चिम दिशायाम् अरब सागरश्च स्तः। अत्र गङ्गा, यमुना, नर्मदादयः नद्यः प्रवहन्ति। विशालानि वनानि, सुदीर्घाः पर्वतमालाः, हरितानि कृषिक्षेत्राणि प्रभूताः खनिज पदार्थाः चास्य देशस्य समृद्धिं प्रकटयन्ति। अत्रैव वेदाः, पुराणानि, रामायणम्, महाभारतम्, आयुर्वेदादयः विश्वप्रसिद्धाः ग्रन्थाः रचिताः आसन्। अस्मिन् देशे वाल्मीकिः, कालिदासः, भवभूतिः, भारविः, पण्डिता क्षमारावः चादयः महाकवयः आसन्। आर्यभट्ट-जगदीशचन्द्रबसु सदृशाः वैज्ञानिकाः, विवेकानन्द दयानन्द तुल्याः संस्कारकाः अपि अत्रैव अभवन्। सत्यमेव जयते अस्य देशस्य आदर्शवाक्यम् अस्ति।

(i) **एकपदेन उत्तरत—** $1 \times 2 = 2$

(क) वयं कस्मिन् देशे निवसामः?

(ख) कः भारतस्य चरणौ प्रक्षालयति?

(ii) **पूर्णवाक्येन उत्तरत—** $2 \times 2 = 4$

(क) भारतस्य आदर्शवाक्यं किम् अस्ति?

(ख) भारते काः नद्यः प्रवहन्ति?

खण्ड-ब (विषयनिष्ठ प्रश्न)

1. अधोलिखित गद्यांशों को पढ़कर उसपर आधारित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दें—

(अ) दूरदर्शनस्य आविष्कारेण अधुना सर्वसाधारणाः जनाः अपि गृहेषु वसन्तः एव शिक्षा-समाचारादिभिः सह विविधमनोरञ्जनस्य सर्वान् कार्यक्रमान् दृश्यान् पश्यन्ति। सम्प्रति सङ्गणकेन सम्प्रेषितः संदेशः क्षणेनैव सप्तसमुद्रस्य पारं याति। सत्यं दूरभाष-वायुयानादिभिः दूरस्थस्य संसारः समीपम् आयाति, परम् इन्टरनेट- माध्यमेन तु अधुना वसुधा एव कुटुम्बकं जाता। विद्युता प्रकाशः वायुश्च लभ्यते। गैस-इन्धनम्, तापकरणम्, शीतकम् इत्यादीनि नानाविधानि वैज्ञानिकोपकरणानि आधुनिकं जीवनं संवर्धयन्ति। विज्ञानस्य चमत्कारः सर्वेषु क्षेत्रेषु दृश्यते। परं विज्ञानस्य उपयोगः लोककल्याणाय एव कर्तव्यः, न तु विनाशाय।

(i) **एकपदेन उत्तरत—** $1 \times 2 = 2$

(क) कस्य उपयोगः लोककल्याणाय एव कर्तव्यः?

(ख) केन माध्यमेन वसुधा कुटुम्बकं जाता?

(ii) **पूर्णवाक्येन उत्तरत—** $2 \times 2 = 4$

(क) काभिः दूरस्थस्य संसारः समीपम् आयाति?

(ख) केन सम्प्रेषितः संदेशः क्षणेनैव सप्तसमुद्रस्य पारं याति?

(iii) अस्य गद्यांशस्य उपयुक्तं शीर्षकम् लिखत। 1

अथवा,

को न जानाति भारतवर्षे परमनिर्भीकस्य महावीरस्य चन्द्रशेखर आजादस्य। अस्य जन्मस्थानम् परमपुण्या वाराणसीनगरी आसीत्। प्रसिद्धस्य 'क्वीन्स कॉलेज' नामकस्य संस्कृत महाविद्यालयस्य दीप्तमान् छात्रः चन्द्रशेखरः राष्ट्रपति आत्मानं समर्पितवान् आसीत्।

'जालियाँवाला' काण्डे आङ्ग्लशासनस्य नृशंसतां श्रुत्वा विचलितः सन् तस्मात् क्रूरशासनात् देशस्य मुक्तये तेन सङ्कल्पः कृतः। सशस्त्रस्य सङ्ग्रामस्य कृते धनसङ्ग्रहार्थम् अन्यैः सहयोगिभिः सह आजादः 'काकोरी' नामके स्थाने राजकीयकोषम् अपहृतवान्। लाला लाजपतराय-महोदयस्य घातकः 'सैण्डर्स'— नामकः आङ्ग्लः तैः क्रान्तिकारिभिः निहितः। केन्द्रिय विधानसभायाम् एतेषां विस्फोटनेन आङ्ग्लशासनमपि भयाक्रान्तं जातम्।

(i) **एकपदेन उत्तरत—** $1 \times 4 = 4$

(क) वाराणसीनगरी कस्य जन्मस्थानम् आसीत्?

(ख) भारतदेशस्य मुक्तये केन सङ्कल्पः कृतः?

(ii) **पूर्णवाक्येन उत्तरत—** 2

(क) आजादः अन्यैः सहयोगिभिः सह कुत्र किंच अपहृतवान्?

(ख) कः क्रान्तिकारिभिः निहतः?

(ठ) वृद्ध बाघ ने पथिक को किसी धार्मिक द्वारा दिए गए उपदेश के विषय में यह कहा। उसने बताया कि युवावस्था में वह अतिदुराचारी था। युवावस्था में अनेक गायों और मनुष्यों के वध करने के पाप के कारण वह निःसंतान और पत्नीविहीन हो गया था। तब एक धार्मिक व्यक्ति ने पापमुक्त होने के लिए बाघ को उपदेश दिया कि आप दान-पुण्य किया करें।

(ड) मंदाकिनीवर्णनम् महर्षि वाल्मीकिकृत रामायण के अयोध्याकांड के 95वाँ सर्ग से संकलित है। इससे हमें यह संदेश मिलता है कि प्रकृति हमारे चित्त को हर लेती है तथा इससे पर्यावरण सुरक्षित रहता है। प्रकृति की शुद्धता के प्रति हमें हमेशा ध्यान देना चाहिए।

(ढ) अलसकथा पाठ के आधार पर आलसियों की संख्याएँ चार थीं। चारों आलसी पुरुष आग लगने पर भी घर से नहीं भागे। वे शोरगुल सुनकर जान गए थे कि घर में आग लगी हुई है। वे चाहते थे कि कोई धार्मिक एवं दयालु व्यक्ति आकर आग पर जल, वस्त्र या कंबल डाल दें, जिससे आग बुझ जाए और वे लोग बच जाएँ।

(ण) अलसकथा पाठ का संदेश है कि आलस सबसे बड़ा शत्रु है। आलस करने वाला व्यक्ति दूसरों की दया पर जीता है। आलसी को आलस के कारण अपना जीवन रक्षण भी नहीं हो पाता है। इस प्रकार के लोगों से समाज विनष्ट होता है। यदि जीवन को सफल करना हे तो आत्मनिर्भर बनकर कठिन परिश्रम करना चाहिए।

(त) सत्य मार्ग पर चलकर अपने कर्त्तव्य का पालन करने से स्वधर्म की रक्षा होती है तथा बार-बार अभ्यास करने से अर्थात् सुनकर, बोलकर, पढ़कर, लिखकर अभ्यास करने से विद्या का अर्जन तथा रक्षण होता है।

अपनाया और इसके लिए डी॰ए॰वी॰ नामक विद्यालयों की समूह की स्थापना की। आज इस संस्था की शाखाएँ-प्रशाखाएँ देश-विदेश के प्रायः प्रत्येक प्रमुख नगर में अवस्थित हैं।

(छ) वेदाङ्गशास्त्र छः हैं। वे शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द और ज्योतिष हैं। शिक्षा उच्चारण प्रक्रिया का ज्ञान कराती है। कल्प सूत्रात्मक कर्मकाण्ड ग्रंथ है। व्याकरण वर्ण, शब्द, वाक्य आदि का अध्ययन करता है। निरूक्त का कार्य वेद के अर्थ का बोध करना है। छन्द सूत्र ग्रंथ है। ज्योतिष वेदांग ज्योतिष ग्रंथ है।

(ज) देवव्रत महाराजा शान्तनु का ज्येष्ठ पुत्र था। देवव्रत को मालूम हुआ कि उनके पिता शांतनु सत्यवती से विवाह करना चाहते हैं, परंतु सत्यवती के पिता इस शर्त पर विवाह करने के लिए तैयार हो रहे थे कि शांतनु के बाद सत्यवती का पुत्र ही राजा बने। सत्यवती के पिता की शर्त को स्वीकार करने के बाद देवव्रत ने प्रतिज्ञा किया कि मैं राज्य का अधिकारी नहीं बनूँगा, बल्कि आजीवन अविवाहित रहूँगा एवं अखण्ड ब्रह्मचर्यव्रत का पालन करूँगा। असाधारण प्रतिज्ञा होने के कारण देवव्रत की प्रतिज्ञा को 'भीष्मप्रतिज्ञा' कहा जाता है तथा देवव्रत को 'भीष्म पितामह' कहा जाता है।

(झ) 'व्याघ्रपथिककथा' में सोने के कंगन के लोभ के कारण पथिक मारा गया। इससे यही शिक्षा मिलती है कि हमें लोभ नहीं करना चाहिए। लोभ हमें विनाश की ओर ले जाता है।

(ञ) राम प्रवेश का जन्म बिहार राज्य अन्तर्गत 'भीखनटोला' नामक गाँव में हुआ था। वे पुस्तकालयों में अनेक विषयों की पुस्तकों का अध्ययन किया करते थे। वे अध्ययन को छात्रों की पूजा मानते थे। अपने परिश्रम के परिणामस्वरूप केंद्रीय प्रशासनिक सेवा की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने में वे सफल रहे।

(ट) धीवर अपनी पुत्री सत्यवती का भविष्य सुरक्षित करना चाहता है। वह उसकी शादी भी अच्छे वर एवं कुल में करना चाहता है। इस पाठ के आधार पर धीवर तेज, कुशल एवं दूरदर्शी मालूम पड़ता है। अपने मकसद हेतु वह देवव्रत भीष्म से आजीवन ब्रह्मचर्य पालन की प्रतिज्ञा करा लेता है।

5. (क) संग्रहालय, उच्च न्यायालय, सचिवालय, गोलघर, तारामण्डल, जैविक उद्यान, मौर्यकालीन अवशेष, महावीर मंदिर, गुरुद्वारा आदि पटना के प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं।

(ख) स्वामी दयानंद ने समाज के उद्धार के लिए प्रचलित कुरीतियों का खुला विरोध किया। उन्होंने बालविवाह समाप्त करवाने, मूर्तिपूजा का विरोध करने और छुआछूत समाप्त कराने के लिए कार्य किया। उन्होंने अपने सिद्धांतों के प्रचार के लिए आर्यसमाज नामक संस्था की स्थापना की।

(ग) 'मङ्गलम्' पाठ में ईशावास्योपनिषद्, कठोपनिषद्, मुण्डकोपनिषद् तथा श्वेता श्वतरोपनिषद् के पाँच मंत्र हैं, जिसमें सत्य, आत्मा, ईश्वर-प्राप्ति हेतु प्रयास तथा आत्मनिश्छल भाव पर विशेष प्रकाश डाला गया है। इसमें ब्रह्मविषयक एवं आत्मविषयक ज्ञान की महत्ता बतलाई गई है। महर्षि वेदव्यास का कहना है कि सत्य ही मोक्ष का द्वार है। आत्मा सूक्ष्म-से-सूक्ष्म तथा विशाल-से-विशाल है। इस रहस्य को वे ही समझ पाते हैं, जो अपने को अज्ञानी एवं ईश्वर का अंश मानते हैं।

(घ) शैक्षणिक संस्कार पाँच हैं। शिक्षा संस्कारों में अक्षर-आरम्भ, उपनयन, केशान्त, समावर्तन आदि संस्कार प्रकल्पित हैं। अक्षर-आरंभ के अन्तर्गत अक्षर-अंक लेखन-शिशु प्रारम्भ करता है। उपनयन में अध्ययन-स्वाध्याय-शिक्षण करता है। शिक्षा समाप्त होने पर गुरु-शिष्य को गृहस्थ जीवन में जाने के लिए घर भेज देते हैं।

(ङ) नरक के तीन द्वार हैं— काम, क्रोध और लोभ। ये तीनों द्वार अपने-आप को नष्ट कर देता है। इसलिए इन तीनों को त्याग ही देना चाहिए।

(च) स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्यसमाज की स्थापना 1875 में मुंबई नगर में की। आर्यसमाज वैदिक धर्म और सत्य के प्रचार पर बल देता है। यह संस्था मूर्तिपूजा का घोर विरोध करती है। आर्यसमाज ने नवीन शिक्षा-पद्धति को

4. (क) चाणक्यः अर्थशास्त्रस्य विद्वान् आसीत्।

(ख) सः पाटलिपुत्रे निवसति स्म।

(ग) मम जनकः संस्कृतस्य विद्वान् आसीत्।

(घ) अहम् अपि संस्कृतस्य विद्वान् भविष्यामि।

(ङ) वयं संस्कृत प्रतियोगितायां प्रवेशं नयेम।

(च) प्रयागः भारतस्य प्रमुखं तीर्थस्थानम् अस्ति।

(छ) त्रयः बालकाः मार्गे धावन्ति।

(ज) दरिद्रेभ्यः परोपकारं कुरु।

(झ) किरणेन सह अहम् अपि संस्कृत संभाषण शिविरे गमिष्यामि।

(ञ) तत्र मा गच्छ।

(ट) भारते अनेके महापुरुषाः अभवन्।

(ठ) बिहारवासिनः शान्तिप्रियाः भवन्ति।

3.

(क) वृक्षारोपणम्

वृक्षाणाम् आरोपणं वृक्षारोपणं कथ्यते अनेन प्रकृतिः संरक्षिता भवति। वयं प्राणवायुं वृक्षात् एवं स्वीकुर्मः प्रकृतिः तदा एव सुरक्षिता भविष्यति यदा 33% भूमौ वृक्षाः भविष्यन्ति। इदानी सर्वत्र वातावरण प्रदूषितं दृश्यते। एतस्य कारणम् अस्ति औद्योगिक विकास वृक्षाः न्यूनाः जायमानाः सन्ति। अस्यां स्थितौ वृक्षाणां रोपणं महत्त्वपूर्णम् भवति। वर्षा न्यूना भवति एतस्य कारणं वृक्षाणां न्यूनता एव। अतः वयं वृक्षारोपणं कुर्मः।

(ख) प्रिय कवि

अस्मिन् संसारे कवयस्तु बहवः श्रूयन्ते, परन्तु सर्वेषु कविषु श्रेष्ठः कालिदासः एव। मेघदूतम्, कुमारसंभवम्, रघुवंशम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम् इत्यादयः अस्यैव रचना अस्ति। नाटकेषु 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' श्रेष्ठम्। विश्वे साहित्यक्षेत्रे अस्य प्रतिष्ठा सर्वतो विशिष्टा। खण्डकाव्येषु मेघदूतम् अधिकं प्रसिद्धम् अस्ति। 'उपमा कालिदासस्य' उक्ति प्रसिद्धम् अस्ति महाकवेः विषये। 'रघुवंशम्' महाकाव्ये समुद्रस्य वर्णनम् अपि प्रसिद्धम् अस्ति। शृंगारस्य वर्णने लालित्ये माधुर्ये च कालिदासेन समं कोऽपि अन्यः कविः न अवलोक्यते।

(ग) दुर्गापूजा

विजयादशमी अस्माकम् एकः राष्ट्रियः महोत्सवः। इयम् आश्विन मासस्य शुक्लपक्षे दसम्यां तिथौ सम्पद्यते। अस्यां तिथौ महाशक्त्याः दुर्गादेव्याः पूजनं भवति। अस्यां जनाः चण्डी पाठं कुर्वन्ति। दुर्गा अस्माकं माता पूज्या च तिथौ देव्याः पूजनेन मानवस्य पराजयो न भवति। विजयादसम्यां तिथौ प्रतिमाविसर्जनं भवति। पाटलिपुत्रे दुर्गापूजायाः आयोजनं वृहद्रूपेण भवति।

(घ) सत्सङ्गति

सतां सज्जनानां सङ्गतिः सत्सङ्गतिः उच्यते। कुसङ्ग दोषाय, सुसङ्गतिः गुणाय एव भवति। सतां सङ्गः सर्वं आप्नोति। कीटोऽपि सुमनः सङ्गात् सतां शिरः आरोहति। तथैव मूर्खः सत्सन्निधानेन प्रवीणतां याति। सत्पुरुषः धियः जाड्यं हरति, वाचि सत्यं सिञ्चति, चेतः प्रसादयति च। अतएव सत्सङ्गति अवश्यमेव करणीयम्।

2. (i) फुलवारी शरीफ पटना
तिथि : 19.02.2024

आदरणीयः भ्रातृमहाभागः
नमोनमः।

पत्राशयम् इदं अस्ति यत् गत सप्ताहे अहं विद्यालयस्य छात्रैः सह वनभोज हेतु राजगृहम् गतवान्। तत्र सर्वे मिलित्वा एकस्मिन् स्थले वनभोज हेतु एकत्रिसवान्। तस्य स्थलस्य वातावरणम् अति शोभनम् आसीत्। अति हर्षोल्लासरूपेण सर्वे मिलित्वा विविधान् व्यञ्जनानाम् आयोजनम् कृतवन्तः। किञ्चित वस्तूनि केचित छात्राः स्वीकीय गृहात् आनयन्। सम्यक् रूपेण वनभोजस्य प्रक्रिया प्रशंसनीय भविताः।

विशेष रूपेण माता-पितरौ चरणयोः वन्दनीयौ।

भवतः अनुजः
अविनाशः

(ii) सेवायाम्,
श्रीमान् प्रधानाचार्यः महोदयः
उच्च विद्यालय, पटना।

महाशयः

सविनय निवेदन् अस्ति यत् पटना नगरस्य पर्यावरणम् अतीव दूषितं वर्तते। अनेन अनेक विद्या रोगाः प्रस्तुताः सन्ति। पर्यावरणस्य दूषणानि दूरीकर्तुम् सर्वप्रथम अस्माभिः सर्वैः विद्यालय परिसरे प्रयत्नाः करणीयाः। तदर्थं अस्माभिः स्वच्छता कार्यक्रमे योगं दतुमिच्छामः। एतत् सम्बन्धे भवतां सहयोगः अपि अपेक्ष्येते।

अतः निवेदनम् यत् उक्त कार्यक्रम संचालनाय आदेशं प्रदाय अस्माभिः अनुगृहणन्तु। सधन्यवाद।

भवदीयः छात्रः
भोलू

दिनांक : 19.02.2024